इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, शुक्रवार, 28 अगस्त 2026

शांति राष्ट्रों का सम्बन्ध नहीं है। यह एक मनः स्थिति है जो आत्मा की निर्मलता से आती है। शांति सिर्फ युद्ध का अभाव नहीं है। यह मन की एक अवस्था है।
-जवाहरलाल नेहरू

वर्ष 18 अंक 356 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

तापमान - अधिकतम 34.1°C (-0.4) न्यूनतम 27.0°C(+1.6) सेंसेक्स 76,933.59 (-539.34) निफ्टी 24,090.85 (-116.90) सोना 1,63,130 चांदी 2,60,000 मुद्रा - डालर 95.49 दिरहम 26.00 रियाल 25.46

एरा यूनिवर्सिटी ने पद्मश्री प्रो. राजेंद्र प्रसाद को किया सम्मानित

लखनऊ (सं)। दूर-दराज के गांव से निकलकर देश में टीबी और सांस की बीमारियों के इलाज, शोध और मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अलग पहचान बनाने वाले प्रो. राजेंद्र प्रसाद को एरा यूनिवर्सिटी ने पद्मश्री मिलने पर सम्मानित किया। एराज लखनऊ मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर और मेडिकल एजुकेशन के डायरेक्टर प्रो. प्रसाद के सम्मान में आयोजित समारोह में चिकित्सकों, शिक्षाविदों, छात्रों और शहर की कई प्रमुख हस्तियों ने उनकी उपलब्धियों को सराहा।

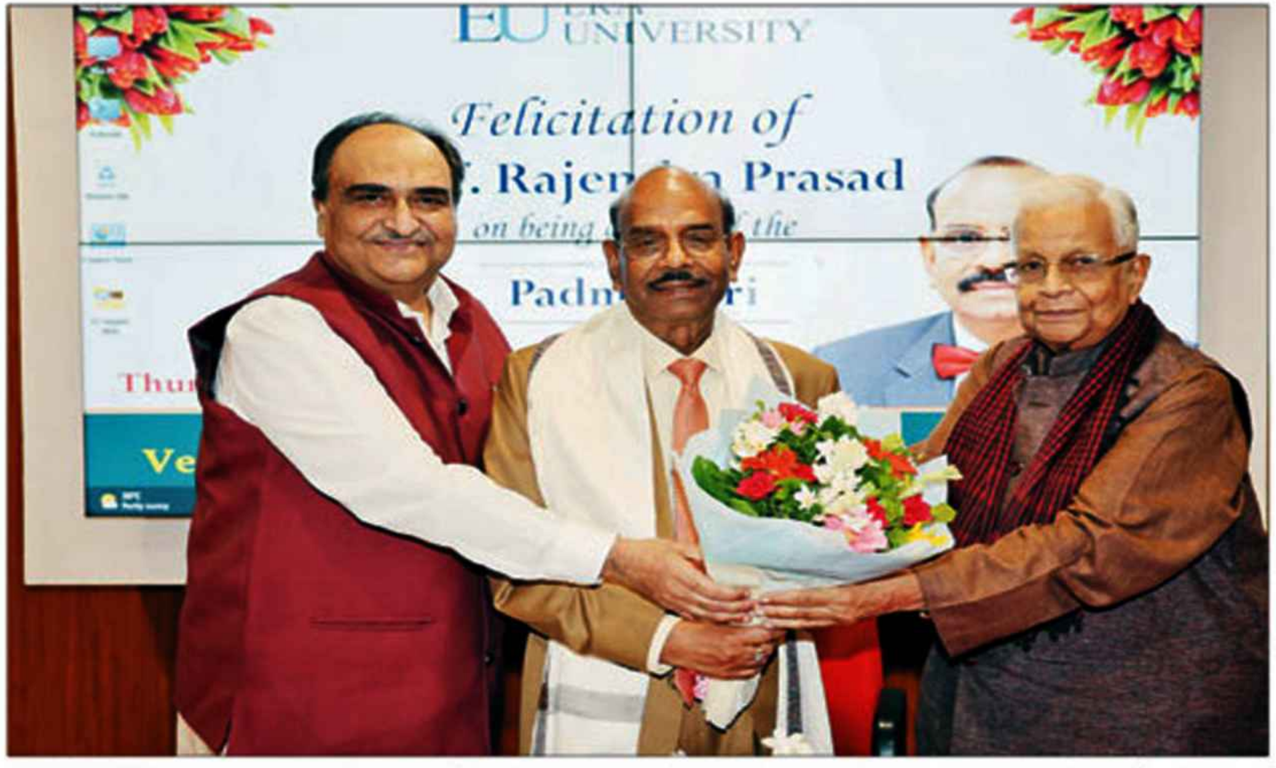

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पूर्व कार्यवाहक मुख्यमंत्री डॉ. अम्मार रिजवी ने प्रो. प्रसाद की चिकित्सा विशेषज्ञता और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि प्रो. प्रसाद ने चिकित्सक के साथ-साथ शिक्षक और मार्गदर्शक की भूमिका भी पूरी निष्ठा से निभाई है। एरा यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. अब्बास अली महदी ने प्रो. प्रसाद के साथ 35 वर्षों से अधिक पुराने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने कहा कि गांव से शुरू हुआ प्रो. प्रसाद का सफर केजीएमयू से लेकर सैफई, वीपी चेस्ट इंस्टीट्यूट और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा मंचों तक पहुंचा। टीबी और

पल्मोनरी मेडिसिन में उनके योगदान को उन्होंने देश के लिए महत्वपूर्ण बताया। प्रो. प्रसाद को 80 से अधिक पुरस्कार और सम्मान मिल चुके हैं। सम्मान समारोह में भावुक हुए प्रो. प्रसाद ने कहा कि पद्मश्री उनके अकेले की उपलब्धि नहीं, बल्कि माता-पिता के संस्कार, पत्नी और परिवार के सहयोग, शिक्षकों, सहकर्मियों, विद्यार्थियों और मरीजों के भरोसे का परिणाम है। उन्होंने कहा कि एक डॉक्टर के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार किसी सम्मान से ज्यादा मरीज को स्वस्थ होते देखना है। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि गांव से आने और लखनऊ में मेडिकल शिक्षा हासिल करने ने उन्हें मेहनत, अनुशासन और सेवा का महत्व सिखाया। उन्होंने गरीब और वंचित मरीजों के लिए टीबी व सांस संबंधी बीमारियों के उपचार को अपने जीवन का प्रमुख उद्देश्य बनाया। उन्होंने युवा डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों से नैतिक चिकित्सा, निरंतर सीखने और समाजसेवा को प्राथमिकता देने की अपील की। समारोह में एरा यूनिवर्सिटी की प्रो वीसी प्रो. फरजाना महदी, प्रिंसिपल और सीएमएस प्रो. जमाल मसूद प्रो. एसपी जैसवार, प्रो. आरके गर्ग, प्रो. अनु चंद्रा, प्रो. केबी गुप्ता, प्रो. प्रिसिला सैमसन, प्रो. (ब्रिगेडियर)एस बासु, प्रो. सचिन खंडूरी, प्रो. एके श्रीवास्तव के अलावा पूर्व डीआईजी आफताब अहमद खान, डॉ. अम्मार अनीस नगरामी, डॉ. सरवत तकी, डॉ. मसीहुद्दीन खान, डॉ. यासिर अंसारी, जफरुल हसन, अफजल अहमद, नावेद अहमद, डॉ. चंदेश्वर नाथ, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, प्रो. आरएएस कुशवाहा, प्रो. राजीव गर्ग, प्रो. दर्शन के अलावा कई कर्मचारी और छात्र मौजूद रहे।